Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

DVK-104

ग्रहशान्ति एंव संस्कार विधान

Diploma in Vedic Karmkand (DVK)

प्रथम वर्ष, सत्र जून 2022

Time: 2 Hours Max. Marks: 100

नोट : यह प्रश्न पत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड –क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2 x 26 = 52]

Q.1. मूल शान्ति विधि का विधान वर्णित लिखिए।

अथवा

मूल शांति के संदर्भ में विभिन्न मतमतान्तरों का वर्णन कीजिए।

P.T.O.

Q.2. नव ग्रहों का परिचय देते हुए नवग्रह शान्ति विधि लिखिए।

Q.3. यमल जनन से क्या तात्पर्य है, इसकी शान्ति विधि लिखिए।

Q.4. संस्कार शब्द की परिभाषा बताते हुए, संस्कारों के महत्व पर प्रकाश डालिए।

Q.5. जातकर्म संस्कार का प्रयोजन एंव विधि विधान को लिखिए।

अथवा

कुशकंडिका विधान को लिखिए।

खण्ड – ख

लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बाराह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4 x 12 = 48]

Q.1. मूल वास के बारे में आप क्या जानते हैं? वर्णन कीजिए।

Q.2. अग्नयुतारण सविधि लिखिए।

Q.3. व्यक्तित्व निर्माण में संस्कारों की क्या भूमिका हो सकती है अपने शब्दों में लिखिए।

Q.4. नामकरण संस्कार के महत्व पर प्रकाश डालिए।

Q.5. पंचगव्य निर्माण व पंच गव्य होम विधि लिखिए।

Q.6. वृहस्पति शांति विधान लिखिए।

Q.7. अन्नप्राशन संस्कार का परिचय एंव महत्व बताएं।

Q.8. वेदारम्भ संस्कार विधि लिखिए।

अथवा

समावर्तन संस्कार से आप क्या समझते हैं स्पष्ट कीजिए।

****